Errors of omission and commission of some branches of these banks should not be the reason for withholding the permission to open new branches and ATM centres for a long period since it adversely affects growth of the industry.

I would, therefore, urge upon the Government to ensure that no hardship is caused to the general public because of inordinate delay in granting approval for opening of new branches.

Concern over delay in Promotion to Medical Tourism in the Country

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश): महोदय , भारत को दुनिया के नक्शे पर मेडिकल टूरिज्म का केन्द्र बनाने की योजना न सिर्फ कागजी कार्यवाही तक सीमित है, बल्कि अब वह बीमार नजर आने लगी हैं । आज भारत चिकित्सा के क्षेत्र में किसी भी देश से पीछे नहीं है, बल्कि दुनिया के मुकाबले उच्च गुणवता के साथ किफायती चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने में भारत बेहद सक्षम हैं। भारतीय डाक्टर न सिर्फ कुशल और प्रतिभावन हैं , बल्कि चिकित्सा जगत में लगा अन्य स्टाफ समर्पित और परिश्रमी हैं ।इस कीर्ति को भुनाने में भारत सरकार असफल दिख रही हैं । मेकेंजी इंटरनेशनल के सर्वेक्षण के मुतालिब भारत अगले पांच सालों में मेडिकल टूरिज्म से 10 हजार करोड़ से ज्यादा जुटा सकता हैं । पर्यटन को रोजगार के अवसरों से जोड़ने की मंशा से तत्कालीन एन.डी.ए सरकार ने जनवरी ,2004 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा टास्क फोर्स भी गठित की । स्टाक फोर्स के पास अहम जिम्मेदारी मेडिकल टूरिज्म के अनुकूल रिपोर्ट तैयार करने का माहौल बनाना और फिर उसे लागू कराना हैं । खुशकिस्मती से मौजूदा प्रधान मंत्री डा. मनमोहन सिंह भी पर्यटन को बढ़ावा देने की हामी निकले । प्रधान मंत्री की मंशा के मुताबिक पर्यटन मंत्रालय ने मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए खासी कवायद की । लेकिन गति इतनी धीमी रही की दो साल बीत जाने के बाद भी काम अभी तक जमीन पर नहीं दिखाई पड़ रहा हैं । कुछ निजी चिकित्सालय ही अपनी व्यक्गित साख के आधार पर पड़ोसी देशों और गरीब मुल्को के मरीजों को आकर्षित कर पा रहे हैं ।

मैं सदन के माध्यम से मांग करूंगा कि सरकार तत्काल इस पर कदम उठाए और इस पेशे में कुछ रियायतों के साथ इसका दूसरे देशों में भी प्रचार –प्रसार में सहयोगी बने ।

धन्यवाद ।

Demand to Upgrade Bagdogra Airport into an International Airport

श्री समन पाठक (पश्चिमी बंगाल) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान बागडोगरा विमान अड्डे की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । पश्चिम बंगाल का दूसरा वृहत

विमान अड्डा बागडोगरा हैं । यह विमान अड्डा हर दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण एवं उपयोगी हैं । पर्यटन की दृष्टि से यह एकमात्र विमान अड्डा है जो कि दार्जिलिंग, सिक्किम , नॉर्थ –ईस्ट राज्यों का कुछ अंग और पूरे उत्तर बंगाल के जिलों में जुड़ा हुआ हैं । उत्तर बंगाल और नॉर्थ –ईस्ट का कुछ हिस्सा पूरी तरह इस विमान अड्डे पर निर्भर हैं। इस हवाई अड्डे से नेपाल, भूटान बंगलादेश , थाईलैंड आदि देशों को सहज जोड़ा जा सकता हैं । हाल में हुए भारत और चीन के बीच समझौते के अनुसार नाथला वाणिज्य पथ भी खुल गया हैं । यहां से चीन को भी जोड़ा जा सकता हैं । इस विमान अड्डा से पर्यटन एवं वाणिज्य एक साथ विकसित होने का सकारात्मक समन्वयता हैं । इससे दार्जिलिंग चाय उद्योग को भी फायदा होगा ।

अत: मेरा केन्द्र सरकार से यह निवेदन है कि बागडोगरा विमानअड्डे का उन्नयन करके अंतर्राष्ट्रीय विमान अड्डे में परिवर्तन करने के लिए यथाशीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि उत्तर बंगाल के साथ ही साथ पूरे देश को भी फायदा हो सके ।

Request to Promote Santhall Language

SHRI BHAGIRATH MAJHI (Orrisa): Sir, the Santhali Language has been included in the Eighth Schedule of the Constitution. Consequently, this language is being used by UPSC and Jharkhand Public Service Commission for administrative examinations and, at the same time, many educational institutions, universities and other academies recognised Santhali language in Santhali dominated areas. There are a few major demands from the deprived Santhali community. I request the Government, through the House, to introduce or include the Santhali language in the following fields:—

1. Olchiki script of the Santhali language should be incorporated in the currency notes where other languages are listed.
2. Government Notification should be available in Olchiki script in Santhali dominated areas.
3. Central Government as well as Santhali dominated States must include this language for all administrative examinations.
4. National and international news in Santhali language with other programmes should be broadcast by national and other TV channels and radio also.

Need to ensure Welfare of Emigrant Workers

DR. GYAN PRAKASH PILANIA (Rajasthan): Sir, it is estimated that about 5.5 lakh skilled and semi-skilled Indians travel to other countries,